अखिल भारतीय आदिवासी भील विकास समिति, राजस्थान छात्रावास के भूमि पूजन कार्यक्रम में स्पीकर महोदय का सम्बोधन

---

1. अखिल भारतीय आदिवासी भील विकास समिति के सभी गणमान्य सदस्यों, भील समाज के सभी लोगों, देवियों और सज्जनों, आप सभी को नमस्कार।

2. अखिल भारतीय आदिवासी भील विकास समिति एक बहुत उत्तम सोच के साथ कोटा में समाज के छात्रावास का निर्माण करने जा रही है। इस छात्रावास के भूमि पूजन कार्यक्रम में आज आप सब लोगों के बीच उपस्थित होकर मुझे बड़ी प्रसन्नता हो रही है। समाज के लोगों ने इस शुभ अवसर पर बुलाकर जो मान-सम्मान दिया है, उससे मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है।

3. शिक्षा को लेकर मेरा मानना है कि ये सबसे ज़रूरी काम है जिसके लिए समाज को संगठित होकर काम करना चाहिए। आप दूसरी कई चीजों को अनदेखा कर सकते हो, मगर आज के युग में शिक्षा को नजरंदाज नहीं किया जाना चाहिए। भील समाज के सुधिजनों ने इस विषय को गंभीरता से लेकर समुदाय के छात्र-छात्राओं के लिए हॉस्टल निर्माण के लिए कदम बढ़ाया है, मैं आप सबको बहुत बहुत साधुवाद देता हूँ।

4. पूरे भारत में भील समाज कई प्रदेशों तक विस्तृत है। भीलसमाज का बड़ा गौरवपूर्ण इतिहास रहा है। महाराणा प्रताप जब अपनी मातृभूमि, अपने मेवाड़ के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब हम जानते हैं कि भील योद्धाओं ने उनका साथ दिया था। हम पूंजाभील के बारे में पढ़ते हैं, जो महाराणा प्रताप के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे। उन्होंने संकट के समय में महाराणा का सहयोग किया और देश के इतिहास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

5. हम इतिहास में 13 वर्षीय भील बालिका कालीबाई के बारे में भी पढ़ते हैं। डूंगरपुर के एक गाँव की बालिका कालीबाई ने अपने अध्यापक का जीवन बचाने के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया था। स्वतंत्रता संघर्ष में शहीद हुई कालीबाई सबसे कम उम्र के शहीदों में से एक थी। मैं चाहूँगा कि हर बालक-बालिका और समाज के लोगों को वीर बाला कालीबाई की जीवनी पढ़ना चाहिए।

6. माता शबरी, तांत्या भील, नानक भील, गोविंद गुरु, मोतीलालतेजावत जी जैसे महान पुरुष भील समाज में हुए हैं, जिन्होंने देश और समाज को नई दिशा दी। इन लोगों ने समाज को जागरुक किया और देश की सेवा के लिए अपने आप को समर्पित कर दिया। ना सिर्फ़ भीलसमाज को, बल्कि सभी लोगों को इनसे प्रेरणा मिलती है।

7. पर्यावरण संरक्षण में भी भील समुदाय की भूमिका बड़ी प्रमुख रही है। भील समाज जल – जंगल और वायु की स्वच्छता के लिए समर्पित समुदाय रहा है। पर्यावरण और प्रकृति से आपको अगाध प्रेम है। आपके लिए प्रकृति घर की तरह है। आज के दौर में जब हम देखते हैं कि ग्लोबलवार्मिंग बढ़ रही है, प्रदूषण नियंत्रण कठिन होता जा रहा है। तब मैं समझता हूँ कि अनमोल पर्यावरण को बचाने के लिए आपका नजरिया, आपका दृष्टिकोण बड़ा सार्थक सिद्ध हो सकता है।

8. आज का समय शिक्षा का है, विज्ञान का है।मैं देखता हूँ कि समाज के युवा भी अब पढ़-लिखकर उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि समाज में चेतना आई है। लोग अपने बच्चों को पढ़ाने-लिखाने लगे हैं। पहले लड़के और लड़की में भेद किया जाता था, उसमें भी कमी आई है। समाज की लड़कियों को भी शिक्षा का अवसर मिल रहा है। लेकिन चिंता का कारण यह है कि अभी यह जागरुकता समाज के सभी लोगों में नहीं आई है।

9. समाज के कई युवाओं ने तरक्की की है, मगर उनकी संख्या कम है। मैं समझता हूँ कि शिक्षा को लेकर हमारी जागरूकता अभी और बढ़ाने की जरूरत है। मैं आपसे कहूँगा कि अपने बच्चों को केवल साक्षरता के लिए नहीं पढ़ाएं, बल्कि उन्हें उच्च शिक्षा दें। उच्च शिक्षा प्राप्त कर बच्चे जब आगे जाएंगे तो कोई डॉक्टर बनेगा, कोई इंजीनियर बनेगा, कोई साइन्टिस्ट बनेगा तो कोई आईएएस- आईपीएस भी बनेगा।

10. प्रिय साथियों, बाबा साहब अंबेडकर जी ने कहा था कि 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करो।' बाबा साहब के ये विचार पूरे समाज के लिए आदर्श होने चाहिए। इन विचारों को समाज के युवाओं को आत्मसात करना चाहिए।

11. बाबा साहब अंबेडकर जी ने यह भी कहा था कि 'सामाजिक लोकतंत्र के बिना राजनीतिक लोकतंत्र अधूरा है। 'वास्तविक लोकतंत्र को साकार करने के लिए ज़रूरी है कि सभी समाज और समूहों की भागीदारी हो, सभी की सक्रियता हो।

12. आज़ादी के बाद के इन 75 वर्षों में देश इस दिशा में आगे बढ़ा है। देश ने आधारभूत विकास के साथ ही सामाजिक स्तर पर भी प्रगति की है। विविधताओं से भरे हमारे देश में जो जातियाँ, जनजातियाँ, जो समूह शिक्षा और सामाजिक तौर पर पिछड़े हुए थे, इन 75 वर्षों में उन वर्गों को बराबरी पर लाने के प्रयास हमने सामूहिक तौर पर किए हैं। देश की सरकारों और सभी लोगों ने मिलकर इस दिशा में काम किया है।

13. प्रिय साथियों, यहवर्ष भारत की आज़ादी का 75वां वर्ष है। इस अवसर पर देश बड़े उत्साह से 'आज़ादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है। यह वो समय है जब हम अपनी उपलब्धियों का उत्सव मना रहे है। इन दशकों में हमने जो हासिल किया है उस पर विचार कर रहे हैं, गर्व कर रहे हैं।

14. इसी के साथ मैं समझता हूँ कि हमें इस बात पर भी चिंतन करना है कि आने वाले 25 वर्षों के बाद जब हमारा देश अपनी आज़ादी की 100वीं वर्षगाँठ मनाएं, तब हमारी उसमें क्या भूमिका हो! हमारेभील समाज की उसमें क्या भूमिका हो! हमारे युवाओं का, हमारे समाज के सुधी जनों का देश के लिए क्या महत्वपूर्ण योगदान हो! हमारा प्रयास इसी दिशा में होना चाहिए।

15. भील समाज के सम्मानित प्रबुद्ध जनों! आज इस हॉस्टलकी नींव रखकर आपने समाज के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा का मजबूत आधार तैयार कर दिया है।

16. हॉस्टल से समाज के उन विद्यार्थियों को लाभ मिलता है जो प्रतिभावान होते हैं, मगर पैसों की तंगी से दूर स्थानों पर पढ़ने और रहने का प्रबंध नहीं कर पाते। हॉस्टल से सामूहिकता की भावना का विकास भी होता है। एकता और अनुशासन का विकास होता है।

17. हमारा कोटा आज पूरे देश में शिक्षा नगरी के रूप में जाना जाता है। आईआईटी और मेडिकल की तैयारी करने के लिए देश भर से छात्र-छात्राएं कोटा आते हैं। यहाँ प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ाई करते हैं।

18. समय के साथ-साथ भील समाज के बालक - बालिकाएं भी मेडिकल, इंजीनियरिंग के कोर्स करने लगे हैं। इन क्षेत्रों में समाज के विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ी है। मैं समझता हूँ कि इस भागीदारी को और अधिक बढ़ाने के लिए यह हॉस्टल अति सहायक सिद्ध होगा।

19. राजस्थान के किसी भी ज़िले या देश के किसी हिस्से से जब कोई भील समाज का छात्र, समाज की छात्रा यहाँ कोटा में पढ़ाई करने आएंगे, तो हॉस्टल बन जाने के बाद उसे रहने-खाने की ज़्यादा चिंता नहीं रहेगी। वह पूरे मनोयोग से पढ़ाई कर अपना करियर बना पाएगा। समाज और देश का नाम रोशन कर पाएगा।

20. मैं देख रहा हूँ कि पूरे प्रदेश और बल्कि देश से भी भील समाज के गणमान्य लोग यहाँ उपस्थित हैं। मैं आपसे अपील करता हूँ कि आप लोग संकल्प लें कि हम अपनी इस युवा पीढ़ी को उच्च शिक्षित और संस्कारित बनाएंगे। एक बार समाज के बच्चे उच्च शिक्षा हासिल कर लें, उसके बाद मुझे यकीन है कि ये अपनी मंजिल खुद हासिल कर लेंगे। ये समर्थ हो जाएंगे। एक पीढ़ी पर हमने इस तरह ध्यान दिया तो आप यकीन कीजिए कि भविष्य में भील समाज देश और प्रदेश का सबसे सम्पन्न, और सक्षम समाज होगा।

21. भील समाज के युवा तरक्की की सीढ़ियाँ चढ़ते रहें। उच्च शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में युवा उपलब्धियां हासिल करें। समाज के बड़े-बुजुर्ग युवाओं का मार्गदर्शन करते रहें। समाज के युवा अपनी जड़ों से जुड़कर आगे बढ़ने के लिए काम करें। अपनी परंपराओं और संस्कृति को साथ लेकर आधुनिकता से जुड़ें। समाज को आगे बढ़ाते हुए देश की उन्नति में भी अपना योगदान दें, अपनी भूमिका निभाएं, मैं ऐसी शुभकामनाएं आप सभी को देता हूँ।

22. उम्मीद करता हूँ कि यह छात्रावास जल्द बनकर तैयार होगा। आगे यह समाज के बच्चों को उच्च शिक्षित एवं समर्थ बनाने में उपयोगी सिद्ध होगा।आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद, जय हिन्द।